वेदोमे– राजन्य
मनुस्मृति मे– बाहुज, क्षत्रिय, राजपुत्र
अन्य ग्रन्थों मे- क्षत्रिय, राजपुत्र, ठाकुर

सूर्यवंशी क्षत्रिय

१२ गोत्र
३६ शाखायें
८८ उपशाखायें

संकलनकर्ता– पन्नालाल बिसेन
अधिवक्ता बालाघाट

शाखा	गोत्र	प्रमुख प्रशाखायें	कुल देवी	कुल देवता	वेद	प्रमुख निवास क्षेत्र
सूर्यवंशी गहलोद कछवाहा कुशवाहा राठोर गौतम	गौतम	सिसोदिया, चन्द्रावत, चूडावत, राणावत, शक्तावत, शेखावत, जगावत, मालावत बाकावत, गोहिल, तालचिर, नंदवक, जोतियाना, जयसिंहा, राव, रावत, कंडवार	चंडिका पंखिनी दुर्गा	एकलिंग विष्णु श्रीराम	सामवेद	मेवाड, जयपुर, अमेठी, जम्मू, लाहौर अवध, ग्वालियर
निकुंभ रघुवंशी बडगुजर	वशिष्ठ	श्रीनेत, कटहरिया	कालिका	श्रीराम	यजुर्वेद	बलिया, जौनपुर, गोरखपुर, आजमगढ राजस्थान, बिहार, बुंदेलखंड
दीक्षित	कश्यप	छत्रवंशी, बसखेरिया, किनवाट, नेतवानी	दुर्गा	श्रीराम	सामवेद	पाटन, उत्तरप्रदेश
गौड़	भारद्वाज	गौर, भारद्वाज, गौड़ाहर, बमनगौड़, भटगौड	दुर्गा	रुद्रदेव	यजुर्वेद	राजस्थान, अवध, बिहार
रैकवार	"	रैकवार, सिकरवार	दुर्गा	विष्णु	सामवेद	ग्वालियर, फतहपुर
बैस	"	त्रिलोकचंदी, कुंभी, नखरिया, प्रतिष्ठानपुरी	कालिका	शिव	यजुर्वेद	उत्तरप्रदेश, बैसवाड़ा, राजस्थान
विश्वेन	पाराशर	विश्वेन, बिसेन, बमटेला	दुर्गा	शिव	सामवेद	गोरखपुर, गोंडा, बहराईच